6/15

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

जीजा बनाम सुमीता

38, 53, 188 PC

नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए

23/8/19 वादी अभिभाषक के द्वारा प्रार्थना पत्र पास्ते पेश किया। जिस पर प्रार्थी बयान करके हमारे समक्ष पेश हुई। वादी/अभिभाषक के द्वारा प्रार्थना मे अंकित तथ्यों को दोहराते हुये कथन किया कि पत्नि स्वयं अपने पति के जीवनकाल मे उसका किसी और के साथ अवैध सम्बन्ध थे। वर्तमान मे पति और प्रेमी दोनों पुनः नजदीकियों का सम्बन्ध बने हुए है। जिससे पत्नि हमारे वाद को आगे चलाना नही चाहती है। वाद को अन्त मे किसी स्तर पर पेश किये जाने का निवेदन किया।

वादी के द्वारा अपने कथनो के समर्थन मे आवेदिका पर अपने हस्ताक्षर अंकित किये जिन्हे उनके अभिभाषक ने पहचाना व पहचान स्वरूप अपने हस्ताक्षर अंकित कर वाद को पेश किये जाने का निवेदन किया। चूंकि वादिनी स्वयं वाद को आगे चलाना नही चाहती है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वाद को इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार करके नस्तर से कम हो।

लीला

पहचान करी

Jijoy Adv

सहायक कलक्टर (मु.), अजमेर

Scanned by CamScanner